विनाश होने वाली दुनिया में तमन्ना नहीं जीने की
बची है ये साल दो साल या बस कुछ महीने की
उनसे बिछड़ना ही होगा जिनके संग हम रहते हैं
फिर क्यों बिछड़ने के गम में नैनों से आंसू बहते हैं
तन हमारा एक न एक दिन हमसे हो जायेगा जुदा
हमें अपने साथ घर ले जाएगा हमारा प्यारा खुदा
अपने घर चलना है तो श्रीमत पर खुद को सम्भालो
इस पुरानी दुनिया में अब मोह किसी से भी ना पालो
बाबा को साथ ना रखा तो एक कदम न चल पाओगे
बाबा की श्रीमत बिना तुम लड़खड़ाकर गिर जाओगे

श्रीमत को भूलकर विकर्मों का खाता अब ना बढ़ाओ
देह अभिभान के वश होकर खुद पर पाप ना चढ़ाओ
घना अँधेरा मिलेगा पथ में अगर बाबा का साथ नहीं
ठोकर खाते रहोगे अगर हाथ में बाबा का हाथ नहीं
क्यों अलबेले बनते हो बच्चों अब तो जाओ सम्भल
पुरुषार्थ का समय सुनहरा कभी भी जायेगा बदल
भूलकर भी नहीं छोड़ना बच्चों शिव बाबा का संग
साथ छूटते ही बाबा का जीवन बन जाएगा बदरंग
अगर करोगे गफलत तो बाबा से बिछड़ ही जाओगे
एक बार की भूल के कारण कल्प कल्प

पछताओगे
मेरे बच्चों काट भी डालो ये मोह माया का जंजाल
माया के चक्कर में पड़कर तुम हो जाओगे कंगाल
श्रीमत पर चलने की हिम्मत का एक कदम बढ़ाओ
बाबा से हजार क़दमों की मदद का अनुभव पाओ
ॐ शांति